राजस्व विभाग युद्ध जागीर दिनांक 3 मार्च, 1983

कमांक 133-ज (II) -83/7424.--पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनामा गया है भीर उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(एं)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुकार सौपे गए ग्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती सुधी देवी, विधवा श्री सदानन्द, गांव खरकड़ी, माखदान, महमील व जिला भिवानी, की रबी, 1978 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 एपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई मतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक. 130-ज(II)-83/7597 — श्री हिर सिंह, पुत श्री मनी राम, गांव मोड़ी, तहसील दादरी, जिला भिवानी, की दिनांक 8 जुलाई, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हिरयाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हिरयाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदानकी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री हिर सिंह की मुख्लिग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हिरयाणा सरकार की अधिसूचना कमांक 2092-ज(I)-79/4423, दिनांक 5 फरवरी, 1980, द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती सरुपी देवी के नाम रबी, 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 128-ज(II)-83/7601. पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में प्रपानाया गया है ग्रीर उसमें ग्राज तक संगोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के श्रनुसार सींपे गये प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री सुरजीत सिंह, पुत्र श्री परसे सिंह, गांव केलगां, तहसील व जिला रोहतक, को रवी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 च्ये वाधिक तथा रवी, 1980 से 300 च्ये वाधिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई ग्रतों के प्रनुसार सहवं प्रदान करते हैं।

क्रमांक 180-ज-II-83/7605.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार ग्रीधिनयम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रिपनाया गया है और उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के ग्रनुसार सौंपे गये ग्रीधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री सूरत सिंह, पुत्र श्री ग्रमी लाल, गांव काकड़ोली सरदारा, तहसील दादरी, जिला भिज्ञानी, को रबी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वॉविक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वॉविक कीमत को युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्ती के ग्रनुसार सहबं प्रदान करते हैं।

दिनांक 4 मार्च, 1983

कमांक 84-ज(II)-83/7774.--श्री चैनसुख, पुत्र श्री प्रभाती, गांव मन्दौला, तहसील दावरी, जिला भिवानी, की दिनांक 18 जुलाई, 1979, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रकितियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में भपनाया गया है भीर उस में भाज तक संगोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के भ्रधीन प्रदान की गई भित्तयों का प्रयोग करते हुए श्री चैनसुख की मृब्लिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की श्रीधसूचना क्रमांक 708-श्रार(4)-67/1129, दिनांक 18 श्रप्रैल, 1967, तथा मधिसूचना क्रमांक 5041-श्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, द्वारा मंजूर की गई थी, भव उसकी विधवा श्रीमती नान्टी के नाम रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दो गई शर्ती के भ्रन्तगंत भ्रदान करते हैं।

टी. ग्रार. तुली, ग्रवर**्सचिव** ।

ANIMAL HUSBANDRY DEPARTMENT The 29th March, 1983

No. 2939-AH(1)-83/4741.—The Governor of Haryana is pleased to retire Shri Karan Singh, HVSI, Deputy Director, Intensive Cattle Development Project, Sirsa from Government service with effect from 31st March, 1983 on his attaining the age of superannuation at 58 years.

KULWANT SINGH,

Financial Commissioner & Secretary.